ॐ नमः शिवाय

डाक पंजीयन संख्या यूए/नैनीताल–337/2023–2025

ॐ

RNI No.-UTTHIN/2017/73459

ॐ नमः शिवाय

हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

खबर की कसोटी पर नं.1

उत्तराखण्ड सत्य

◆ वर्ष 9 ◆ अंक 26 ◆ पृष्ठ 8 ◆रूद्रपुर (ऊधम सिंह नगर) ◆ शनिवार ◆ 25 अक्टूबर 2025 ◆मूल्य दो रूपया

Ankit Chawla
Managing Partner

AMBICA WINDOORS

DEALS IN : UPVC, ALUMINUM WINDOWS & DOORS

Chattarpur Road, Bhurarani, Rudrapur, U.S.Nagar (Uttarakhand) | Mob.: 7009885654, 7088221116
E-mail : ambicawindoors@gmail.com | Website : www.ambicawindoors.com

ऑनलाईन गेमिंग का जाल, लोगों को बना रहा कंगाल

साईबर ठगों के जाल में फंसकर लोग गंवा रहे मेहनत की कमाई

उत्तराखण्ड सत्य,रूद्रपुर

डिजिटल दुनिया की चमक-दमक के बीच अब साइबर ठगों ने नए निशाने तय कर लिए हैं मासूम बच्चे। ऑनलाइन गेमिंग के बढ़ते चलन ने जहां मनोरंजन का नया जरिया दिया है, वहीं अब यह ठगों के लिए आसान शिकार का मैदान बनता जा रहा है। 'गेम खेलो और पैसे कमाओ' जैसे आकर्षक विज्ञापन देकर ठग न सिर्फ बच्चों को फंसा रहे हैं, बल्कि उनके जरिए पूरे परिवार को आर्थिक संकट में डाल रहे हैं। पिछले एक वर्ष में साइबर ठगी से जुड़े सैकड़ों बैंक खाते फ्रीज किए गए हैं। इनमें बड़ी संख्या उन खातों की है जो ऑनलाइन गेमिंग या अज्ञात खातों में पैसे ट्रांसफर करने से जुड़े पाए गए। लगातार चल रहे जागरूकता अभियानों के बावजूद लोग बार-बार वही गलती दोहरा रहे हैं, जिसका फायदा साइबर अपराधी उठा रहे हैं। ठगों का तरीका बेहद चालाकी भरा होता है। वे बच्चों को ऑनलाइन गेम के माध्यम से पहले आकर्षित करते हैं और फिर "गेम जीतने पर इनाम" या "गेम में निवेश कर कमाई करने" का लालच देते हैं। शुरुआत में कुछ रुपये जमा करवाने के नाम पर बच्चों से उनके परिजनों के गूगल पे या बैंक अकाउंट से ट्रांजेक्शन करवा ली जाती है। जैसे ही यह पैसा उस खाते में पहुंचता है, जिसमें पहले से ही ठगी के पैसे आते-जाते रहते हैं, तो साइबर सेल की निगरानी प्रणाली उसे संदिग्ध पाते ही तुरंत ब्लॉक कर देती है। नतीजतन, पैसे भेजने वाला खाता भी फ्रीज कर दिया जाता है। इस पूरी प्रक्रिया के बाद परिवार परेशान हो जाता है। परिजनों को अपने बैंक खाते दोबारा चालू करवाने के लिए कभी बैंक शाखा तो कभी पुलिस थाने के चक्कर काटने पड़ते हैं। कई मामलों में जांच पूरी होने में महीनों लग जाते हैं, जिससे परिवार को न सिर्फ आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है बल्कि मानसिक रूप से भी गहरी परेशानी झेलनी पड़ती है। विशेषज्ञों का कहना है कि साइबर अपराधी अब तकनीक और मनोविज्ञान दोनों का इस्तेमाल कर रहे हैं। वे बच्चों की जिज्ञासा और लालच की भावना को भुनाकर उन्हें जाल में फंसा लेते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और गेमिंग ऐप्स पर आने वाले "पैसे कमाने वाले गेम" के विज्ञापन इस जाल का पहला कदम होते हैं। बच्चे अक्सर बिना परिजनों से पूछे ऐसे लिंक पर क्लिक कर लेते हैं, जिससे उनके मोबाइल में हानिकारक एप्लिकेशन डाउनलोड हो जाती है या उनकी ट्रांजेक्शन डिटेल ठगों तक पहुंच जाती है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह के मामलों में सावधानी ही सबसे बड़ा बचाव है। बच्चों को डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूक करना जरूरी है। परिजनों

शेष पृष्ठ सं. सात पर...

बैंक और साइबर सेल के चक्कर में लोग परेशान

देहरादून। ऑनलाइन गेमिंग की आड़ में साइबर ठगी का शिकार बनने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। खास बात यह है कि अब ठगी का सीधा असर सिर्फ पैसों की हानि तक सीमित नहीं रहा, बल्कि हजारों लोगों के बैंक खाते भी फ्रीज हो चुके हैं। इनमें से कई खाताधारक तो ऐसे हैं जिन्होंने अनजाने में कुछ रुपये गेमिंग ऐप में ट्रांसफर किए थे, पर अब उनके लाखों रुपये बैंक खाते में फंसे हैं और वे उन्हें निकाल नहीं पा रहे हैं। रूद्रपुर, हल्द्वानी, देहरादून और हरिद्वार जैसे शहरों में पिछले कुछ महीनों में ऐसे सैकड़ों मामले सामने आए हैं। पुलिस और बैंक अधिकारियों के मुताबिक, गेमिंग एप्स के जरिये होने वाले इन फर्जी ट्रांजेक्शन के कारण बैंक सिस्टम स्वत: ही संदिग्ध खातों को फ्रीज कर देता है। जब तक साइबर सेल जांच पूरी नहीं करती, खाते में जमा रकम निकाली नहीं जा सकती। ऐसे ही कई परिवार हैं जो फ्रीज खातों के झंझट में फंसे हुए हैं। साइबर सेल के अधिकारियों का कहना है कि ठगी वाले खातों से जुड़ी हर ट्रांजेक्शन की बारीकी से जांच करनी पड़ती है, ताकि अपराधियों का नेटवर्क पकड़ा जा सके। लेकिन जांच प्रक्रिया में समय लगने से आम लोगों की दिक्कतें बढ़ जाती हैं। बैंक अधिकारी मानते हैं कि इस स्थिति से ग्राहक असहज हैं, पर सुरक्षा कारणों से खाते तुरंत खोलना संभव नहीं होता। उनके पास कई शिकायतें आती हैं कि खाते में लाखों रुपये फंसे हैं। लेकिन जब तक पुलिस से 'नो ऑब्जेक्शन' नहीं मिलता, तब तक खाते को एक्टिव नहीं किया जा सकता। विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति साइबर

शेष पृष्ठ सं. सात पर...

सीएम धामी ने फिर दिया संवेदनशील नेतृत्व का परिचय

उत्तराखण्ड सत्य,देहरादून

दीपोत्सव की जगमगाती रात में जब पूरा प्रदेश दीपों की लौ से आलोकित हो रहा था,घर-घर उल्लास और उमंग का माहौल था, उसी समय उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपनी दीपावली को कुछ अलग ढंग से मनाने का निर्णय लिया। वे राजधानी देहरादून के उस कोने में पहुँचे, जहाँ अब भी आपदा से जूझ रहे परिवारों के घरों में अंधेरा पसरा था। मुख्यमंत्री ने उनके बीच पहुँचकर न केवल उनकी व्यथा सुनी, बल्कि उन्हें यह भरोसा भी दिलाया कि सरकार उनके पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।दीपावली की रात मुख्यमंत्री धामी का यह कदम एक संवेदनशील और जनसमर्पित नेता की छवि को और भी प्रखर बना गया। सहस्रधारा क्षेत्र के कार्लीगाड़ के मझाड़ा गांव में आपदा प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उन्होंने कहा कि सरकार ने पुनर्वास और राहत कार्यों को प्राथमिकता में रखा है और हर प्रभावित परिवार को जल्द सुरक्षित आश्रय मिल सके, इसके लिए प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।मुख्यमंत्री धामी ने इस अवसर पर कहा कि दीपावली का सच्चा अर्थ तभी पूर्ण होता है जब हम दूसरों के जीवन में भी रोशनी फैला सकें। उनकी इस पहल से आपदा पीड़ितों के चेहरों पर आशा की हल्की मुस्कान लौट आई।युवा मुख्यमंत्री के रूप में पिछले चार वर्षों में पुष्कर सिंह धामी ने कई कठिन दौरों का सामना किया है। जब उन्होंने राज्य की कमान संभाली, तब कई मोर्चों पर चुनौतियाँ खड़ी थीं। विधानसभा चुनाव में विजय के बाद भर्ती परीक्षाओं की पारदर्शिता पर सवाल उठे तो उन्होंने दृढ़ता से कार्रवाई कर युवाओं के विश्वास को पुन: स्थापित किया। दो बार उन्होंने इस विकराल समस्या को सुलझाकर अपनी राजनीतिक सूझबूझ और प्रशासनिक दक्षता का प्रमाण दिया।हाल ही में उत्तरकाशी के सिलक्यारा सुरंग हादसे ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा था। उस कठिन समय में मुख्यमंत्री धामी ने जिस धैर्य और तत्परता से राहत कार्यों की निगरानी की, उसने हर किसी को प्रभावित किया। उसी तर्ज पर वे उत्तरकाशी के धराली और चमोली जिले के थराली में आई भीषण आपदा के दौरान भी सबसे पहले मौके पर पहुँचे और राहत व पुनर्वास कार्यों का नेतृत्व किया। वर्षा ऋतु के अंतिम दिनों में जब देहरादून भी अतिवृष्टि के प्रकोप से नहीं बच सका, तब भी मुख्यमंत्री ने तत्परता से प्रभावितों के बीच जाकर उन्हें हिम्मत और सहायता का भरोसा दिया।दीपावली पर उन्होंने न केवल पीड़ितों के बीच जाकर संवेदनशीलता दिखाई, बल्कि अपने राजनीतिक शिष्टाचार का भी परिचय दिया। मुख्यमंत्री धामी ने

शेष पृष्ठ सं. सात पर...

सम्पादकीय

नक्सलियों का नया सवेरा

पुलिस बैरक में यह उनकी पहली रात थी। वे पूरी रात आंख नहीं मूंद पाए अथवा नींद ही नहीं आई। वे खुले जंगल में, नीले आसमान को निहारते हुए, सोने के अभ्यस्त थे। उनकी समझ, संवेदनाएं और तंत्रिकाएं इतनी सचेत और तीव्र थीं कि वे हर आहट पर चौंक उठते थे और वहीं मोर्चा बांध लेते थे। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर पुलिस ट्रेनिंग सेंटर के बैरकों में उन 210 नक्सलवादियों को एक साथ रखा गया है, जिन्होंने इसी सप्ताह आत्मसमर्पण किया था। शनिवार की सुबह उनके लिए बिलकुल अलग एहसास की थी। उन्हें अखबार पढने को दिए गए। नक्सलियों ने टीवी भी देखा। उन्होंने अफसरों से राशन आदि मांगा, ताकि वे अपना साधारण-सा भोजन बना सकें और इस तरह किसी काम में व्यस्त रह सकें। नक्सली माओवादियों ने सरकार के सामने हथियार डाल दिए हैं। अंतत: उन्होंने मुख्यधारा में लौटना तय किया है। सरकार ने उनकी सहायता करने का आश्वासन भी दिया है। शायद कोई योजना बनाकर नक्सलियों का पुनर्वास तय किया जाए! वे मोर्चे पर तैनात, हथियारबंद, मरने-मारने को तैयार नहीं हैं, लेकिन वे फिलहाल एक साथ रहना चाहते हैं। हमें लगता है कि यह संभव नहीं है। सरकार प्रत्येक नक्सली की योग्यता, रुचि, क्षमता के मुताबिक ही मुख्यधारा में शामिल करेगी। नक्सलियों पर जो आपराधिक मामले दर्ज हैं और अदालत के विचाराधीन हैं, पहले वे निष्कर्ष तक पहुंचेंगे और सरकार उन्हें सामूहिक माफी कैसे दे सकती है, उस कानूनी प्रक्रिया से गुजरना लाजिमी है, लेकिन दो निष्कर्ष देश के सामने हैं-लाल आतंकवाद अस्तित्वहीन होने की ओर है। दूसरा, नक्सली भी मुख्यधारा में लौट कर एक नये सवेरे का एहसास कर सकेंगे। वे जन-प्रतिनिधि बन सकते हैं और सरकारी कर्मचारी भी बन सकेंगे। इस लिहाज से मोदी सरकार का यह मिशन बेहद महत्त्वपूर्ण और मानवाधिकार वाला है। सरकार मार्च, 2026 तक अपना लक्ष्य हासिल कर सकती है। नक्सली देश के 11 जिलों तक सिमट गए हैं। उनमें से 3 जिले ही ऐसे हैं, जहां नक्सली पूरी तरह सक्रिय हैं। उन जिलों की लालबंदी तोडना बहुत मुश्किल नहीं है, क्योंकि सुरक्षा बलों को नक्सलियों की मोर्चेबंदी का पूरा ज्ञान हो चुका है। इससे यह भी साबित हो गया है कि नक्सलवाद को खत्म करना असंभव नहीं था, जैसा कि पहले की कांग्रेस नेतृत्व की यूपी, सरकार नाटक करती रही। कभी सोचा गया कि नक्सलियों के खिलाफ सेना को उतार दिया जाए। कभी कोबरा कमांडो की रणनीति बनाई गई, तो कभी किसी और रणनीति पर पैसा बहाया गया, लेकिन मौजूदा सरकार ने बहुत ही सीमित समय के दौरान देश को दिखा दिया कि नक्सली माओवाद अभेद्य और अजेय नहीं था। जिन शीर्ष नक्सलियों पर इनाम घोषित किए गए थे, उन्हें भी या तो मार दिया गया अथवा उन्होंने भी आत्मसमर्पण कर दिया। दरअसल देश में नक्सली माओवाद जिस सोच और दृष्टि के साथ शुरू किया गया था, उसमें न तो भूमि-सुधार हो सका और न ही गरीब किसानों, आदिवासियों, ग्रामीणों में जमीन बांट कर, एक हद तक, 'जमींदार' बनाया जा सका। कुछ अपवाद हो सकते हैं, जो नक्सलवाद की शुरुआत में अर्जित किए गए हों! ग्रामीण अंचल नक्सलियों की आड़ और कवच बनकर रह गए। उनकी मजबूरी थी, नहीं तो नक्सली मार देते थे। नक्सलियों ने उनका व्यापक दोहन किया, लेकिन 'गद्दर' जैसे लोक कलाकार कुछ और ही गाते रहे। एक अलग तस्वीर पेश करते रहे। छत्तीसगढ़ में अबूझमाड़ और उत्तरी बस्तर ऐसे नक्सली आतंकवाद के अड्डे थे, जहां आम आदमी का जाना तो असंभव था, लेकिन दशकों, सालों से सरकारी अफसर भी वहां नहीं जा सकते थे। आज वे लगभग नक्सल-मुक्त हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने इसे देश के 'रेड कॉरिडोर' से नक्सली प्रभाव को खत्म करने की लड़ाई में एक ऐतिहासिक दिन बताया है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक सार्वजनिक मंच से कहा है कि बीते 75 घंटे में 303 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, यह कोई सामान्य घटना नहीं है। प्रधानमंत्री ने नक्सली माओवाद पर अपनी पीड़ा और सरोकार भी व्यक्त किया है कि उन भटके हुए नौजवानों ने देश का विकास अवरुद्ध किया है।

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो
पासपोर्ट फोटो तुरन्त प्राप्त करें
जनरेटर सुविधा भी उपलब्ध है
मोबाइल, चिप, डिजिटल कैमरा, पेन ड्राइव, सीडी आदि से फोटो तुरन्त बनवाये।
गुरूनानक कन्या इण्टर कॉलेज के सामने
जेपीएस गली,रूद्रपुर,फोन.05944-246817

शिक्षा व राजनीति का लिव इन रिलेशन

स्कूल शिक्षा हो या फिर उच्च शिक्षा, राजनीति का इन पवित्र क्षेत्रों में दखल बिल्कुल भी रुका नहीं है। बड़ी शैक्षणिक नियुक्तियों का आधार चुने जाने वाले व्यक्तियों की राजनीतिक संबद्धता और राजनीतिक फायदा ही है। इससे शिक्षा और शैक्षणिक प्रशासन की गुणवत्ता पर कोई अच्छा असर नहीं पड़ रहा है। और तो और, इन बिंदुओं पर आवाज उठाने वाले को चारों खाने चित होना पड़ता है। आइए शिक्षा और राजनीति के लिव इन रिश्ते को खंगालें। शिक्षा और राजनीति का गहरा संबंध होता है। शिक्षा और राजनीति, दोनों ही समाज के महत्वपूर्ण पहलू हैं। शिक्षा व्यक्ति को ज्ञान और कौशल प्रदान करती है, जबकि राजनीति, समाज का नेतृत्व करती है। दोनों एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं। शिक्षा के संबंध में राजनीति और राजनीतिकरण के बीच अंतर है। कोई भी राजनीति से अछूता नहीं रह सकता और कोई भी संस्था चाहे वह शैक्षणिक हो या सामाजिक या सांस्कृतिक, राजनीति से अलग नहीं हो सकती। स्कूल, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय कहां स्थापित होगा एवं किस संस्था को आर्थिक सहायता मिलेगी आदि शिक्षा राजनीति है। शैक्षणिक संस्थानों में सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों के सभी स्तरों पर काम में सत्ता के खेल को समझने के लिए छात्रों और शिक्षकों में राजनीतिक जागरूकता आवश्यक है। भारत में शिक्षा का राजनीतिकरण एक जटिल और बहुआयामी मुद्दा है। इसे राजनीतिक लाभ के लिए शिक्षा में हेरफेर के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। यह कई रूप ले सकता है, जिसमें किसी विशेष विचारधारा को बढ़ावा देने, असहमति को शांत करने या शैक्षणिक संस्थानों पर नियंत्रण हासिल करने के लिए शिक्षा का उपयोग शामिल है। भारत में शिक्षा का राजनीतिकरण भाषा के मुद्दे के माध्यम से किया गया है। देश विभिन्न प्रकार की भाषाओं का घर है और इस बात पर लंबे समय से बहस चल रही है कि स्कूलों में शिक्षा का माध्यम कौनसी भाषा होनी चाहिए। कुछ समूहों ने तर्क दिया है कि राष्ट्र भाषा हिंदी शिक्षा का एकमात्र माध्यम होनी चाहिए, जबकि अन्य ने तर्क दिया है कि क्षेत्रीय भाषाओं को समान दर्जा दिया जाना चाहिए। यह बहस भी गरमा गई है और इसका राजनीतिकरण भी हुआ है और इसका भारत में शिक्षा प्रणाली पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। इन दो प्रमुख मुद्दों के अलावा, भारत में कई अन्य कारकों, जैसे जाति व्यवस्था, समाज में महिलाओं की भूमिका और देश के आर्थिक विकास के माध्यम से भी शिक्षा का राजनीतिकरण किया गया है। राजनीतिकरण का तात्पर्य संस्थानों के मामलों में राजनीतिक विचारधाराओं के हस्तक्षेप से है, विशेषकर सत्तारूढ़ और प्रमुख राजनीतिक शक्ति द्वारा। इस तरह के किसी भी हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप शासन, पाठ्यक्रम डिजाइन आदि जैसे संस्थानों के मामलों पर एक विशेष राजनीतिक स्थिति को जबरदस्ती थोप दिया जाता है। इसलिए राजनीतिकरण के परिणामस्वरूप विनम्र, गैर-आलोचनात्मक छात्र पैदा होंगे जो पीडिघ्त होने के डर से शक्तिशाली विचारधाराओं पर सवाल नहीं उठा सकते हैं। शिक्षा का राजनीतिकरण शासक वर्ग के हाथों में संस्थागत मशीनरी के माध्यम से लोगों पर अपने विचार थोपने का एक उपकरण रहा है। चाहे वह पाठ्य पुस्तक संशोधन हो या वित्त पोषण से संबंधित मामले, शिक्षा का राजनीतिकरण शैक्षिक प्रथाओं के समग्र स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। राजनीति का शिक्षा पर प्रभाव पड़ता है। सरकारें अक्सर पाठ्यक्रम में बदलाव करके अपने राजनीतिक विचारों को प्रचारित करती हैं। सरकारें शिक्षण संस्थानों पर नियंत्रण करके कुलपतियों, शिक्षकों की नियुक्ति और शोध के विषयों को प्रभावित करती हैं। सरकारें शिक्षण संस्थानों को फंडिंग देकर उनके कामकाज को प्रभावित करती हैं। राजनीतिक दल अक्सर छात्र संगठनों को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं। शिक्षा का भी राजनीति पर प्रभाव पड़ता है। शिक्षित मतदाता अधिक जागरूक होते हैं और वे अपने मतदान का बुद्धिमत्तापूर्ण उपयोग करते हैं। शिक्षित लोग अक्सर अच्छे नेता बनते हैं। शिक्षा समाज में परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शिक्षा का राजनीतिकरण तब होता है जब शिक्षा को राजनीतिक हितों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह शिक्षा की गुणवत्ता को कम करता है और छात्रों को राजनीतिक मतभेदों में फंसा देता है। शिक्षा के राजनीतिकरण के परिणाम के कारण शैक्षणिक स्वतंत्रता में कमी हो जाती है। शिक्षक और छात्र अपने विचार स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने में हिचकिचाते हैं। शिक्षा का ध्यान गुणवत्ता से हटकर राजनीतिक एजेंडे पर केंद्रित हो जाता है। छात्र राजनीतिक दलों के साथ जुड़ जाते हैं और एक-दूसरे के खिलाफ हो जाते हैं। शिक्षा और राजनीति के बीच एक संतुलन बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण है। शिक्षा में राजनीति का बढ़ता दखल एक बहस का विषय है। कुछ लोग इसे सकारात्मक मानते हैं, जबकि कुछ इसे नकारात्मक मानते हैं। कुछ लोग मानते हैं कि राजनीति का हस्तक्षेप शिक्षा के प्रबंधन में सहायक हो सकता है। उचित राजनीतिक नेतृत्व के माध्यम से, सरकार शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार कर सकती है, जैसे कि नई शिक्षा नीति 2020 इत्यादि। हालांकि, कुछ लोग मानते हैं कि राजनीति का हस्तक्षेप उच्च शिक्षा संस्थानों की स्वायत्तता को खतरे में डालता है। महत्वपूर्ण है कि हम सही संतुलन को प्राप्त करें, जहां सरकारी प्रबंधन और समर्थन महत्वपूर्ण हो, परंतु संस्थाओं को समुचित स्वतंत्रता मिले। शिक्षा और राजनीति के बीच एक जोडने वाला सेतु है। शिक्षा ज्ञान का सबसे निकटतम सहयोगी हो सकता है। शिक्षा की प्राथमिक भूमिका एक छात्र के पढने, समझ और समझ में सुधार के माध्यम से शिक्षित करना ही है। कभी पेड़ों के नीचे जमीन पर बैठकर शिक्षा ग्रहण करते छात्र, कभी तख्ती पर इमला लिखते छात्र और कभी अपने हाथों पर अध्यापकों से डंडे खाते छात्र, शिक्षा की पवित्रता, गुणवत्ता और महत्ता को दर्शाते थे। तब बैठने को सुविधाजनक डेस्क न सही, स्मार्ट क्लासरूम न सही, पर शिक्षा सौ फीसदी खरी थी। तब विद्यालय से निकलने वाला छात्र सोने की तरह तप कर खरा निकलता था। छात्र-शिक्षक का रिश्ता मर्यादा और अपनेपन का आभास लिए एक सुखद एहसास करवाता था। अब वक्त ने सब बदल दिया है। आज की शिक्षा वह शिक्षा नहीं है जो संस्कृति और सभ्यता को साथ लेकर चलती थी। किसी भी लोकतांत्रिक देश में शिक्षा, राजनीति से अलग नहीं हो सकती है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि शिक्षा का राजनीति से गहरा संबंध है। स्वतंत्रता प्राप्ति से पहले देश के शीर्ष नेताओं- गांधी, टैगोर, जाकिर हुसैन जैसी शख्सियत, शिक्षा से संबंधित मुद्दों पर बोलते थे, लिखते थे और संस्थानों के निर्माण में अपनी भूमिका निभाते थे। यह भारत का दुर्भाग्य रहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद चोटी के नेताओं ने शिक्षा के मुद्दों से एक दूरी बना ली और न ही यह पुराने नेताओं की इतनी काबीलियत रखते हैं। अब शिक्षा सिर्फ राजनीति करने का सुलभ मंच और प्रभावी माध्यम बन गई है। क्या इस रिश्ते को कभी संतुलित किया जा सकेगा।

- डा. वरिंद्र भाटिया

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मना श्यामा काली महोत्सव

उत्तराखण्ड सत्य,रूद्रपुर

ग्राम कनकपुर गोपालनगर में श्री श्यामा काली पूजा महोत्सव बड़े ही श्रद्धा, उत्साह और सांस्कृतिक रंगों के साथ भव्य रूप में संपन्न हुआ। इस अवसर पर गांव में धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का सुंदर संगम देखने को मिला, जिसमें बंगाली परंपरा की झलक और आध्यात्मिक माहौल ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। महोत्सव का शुभारंभ पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने फीता काटकर विधिवत रूप से किया। इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्कूली बच्चों एवं स्थानीय कलाकारों ने बंगाली संस्कृति पर आधारित धार्मिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें मां काली की महिमा, शक्ति स्वरूपा नारी, और लोक सांस्कृतिक नृत्य शामिल रहे। महोत्सव में आयोजकों द्वारा पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में पूर्व विधायक ठुकराल ने कहा कि से धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों से न केवल हमारी परंपराओं का संरक्षण होता है, बल्कि समाज में आपसी भाईचारा, सामूहिकता और सांस्कृतिक चेतना भी प्रबल होती है। कनकपुर जैसे गांवों में इस तरह का आयोजन करना वास्तव में प्रशंसनीय है, जहां नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और आस्था से जोड़ने का कार्य हो रहा है। काली पूजा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि शक्ति, साहस और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा है। कार्यक्रम में क्षेत्र पंचायत सदस्य नरेंद्र ठुकराल, मेजर सिंह, महंत विशो तथा पूजा कमेटी के अध्यक्ष कमल बैरागी, सचिव विक्की विश्वास बंकिम मिर्धा, पंकज मंडल, गोपाल हलधर, गौतम विश्वास, रमेन विश्वास, सौरभ विश्वास, वरुण हलधर, विप्लव वैध, सुदेव हलधर, तपस हलधर, आशीष राय, गोपाल मंडल, मिथुन गाइन, साधन गाइन, सम्राट मलिक, मिलन विश्वास, दीपक विश्वास, मृदुल बैरागी, राकेश मिर्धा, बसंत मिर्धा, रवि हलधर, मनोरंजन वैध, उत्तम विश्वास, मुकुल राय, गौरव गाइन, राजेश विश्वास, इकबाल सिंह, बलजीत सिंह गावा, सुरेंद्र गावा, रविकांत वर्मा, दीपक मिश्रा, नरेंद्र छाबड़ा, अखिलेश यादव, अमित मदान, विय राय, मनोज राय सहित अन्य स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

सीएम ने शहीद पुलिस जवानों के परिजनों को किया सम्मानित

पुलिस स्मृति दिवस पर सीएम ने पुलिसस कर्मियों के लिए की कई घोषणाएं

उत्तराखण्ड सत्य,देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लाइन, देहरादून में पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पुलिस एवं अर्द्ध सैन्य बलों के शहीदों को पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने शहीद पुलिस जवानों के परिजनों को भी सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ के सुअवसर पर उत्तराखण्ड पुलिस के समस्त राज्यों के पुलिस बलों और अर्धसैनिक बलों के जवानों पर है। अपने इस उत्तरदायित्व को निभाते हुए बीते एक वर्ष में, संपूर्ण भारत में 186 अर्धसैनिक बलों और पुलिस कर्मियों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया, जिनमें उत्तराखंड पुलिस के 4 वीर सपूत भी शामिल हैं। सभी वीर बलिदानी हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा की बुनियाद हैं, उनका बलिदान हम सभी के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार, राज्य की पुलिस व्यवस्था को और भी अधिक सक्षम और संसाधन युक्त बनाने उपलब्ध कराई है। सरकार ने नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन के लिए अब तक 5 करोड़ रुपये की राशि जारी की है। सरकार स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत समस्त पुलिस कर्मियों को कैशलैस चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा पुलिस कर्मियों की पदोन्नति प्रक्रिया को समयबद्ध किया गया है। इस वर्ष 356 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी विभिन्न श्रेणियों में पदोन्नत किए गए हैं। विभिन्न श्रेणी के 115 रिक्त पदों पर पदोन्नति के लिए भी कार्यवाही कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए एसडीआरएफ की एक नई कंपनी की भी स्वीकृति प्रदान की है, जिसके तहत 162 नए पदों का सृजन किया गया है। पुलिस उपाध ीक्षक सीधी भर्ती के अंतर्गत चयनित अभ्यर्थियों को वर्तमान में पीटीसी नरेंद्र नगर में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। उप निरीक्षक के 222 पदों के साथ-साथ 2000 सिपाहियों की भर्ती भी प्रक्रियाधीन है। मुख्यमंत्री ने कहा मृतक पुलिस कर्मियों के परिवारों को सहयोग और संबल प्रदान करने के लिए इस वर्ष मृतक आश्रित साहस की गाथाओं से परिचित कराएगा। मुख्यमंत्री ने कहा हमारे पुलिस जवान हर परिस्थिति में अदम्य साहस का अभूतपूर्व परिचय देते हैं। उन्होंने कहा हमारा प्रदेश भौगोलिक और सामरिक दृष्टि से संवेदनशील राज्य है ऐसे में राज्य की शांति और सुरक्षा बनाए रखने में हमारे पुलिसकर्मियों की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा इस वर्ष उत्तराखंड पुलिस ने कांवड़ यात्रा में लगभग 4 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं और चारधाम यात्रा में करीब 50 लाख जैसे नए खतरों का भी सामना करना पड़ रहा है। राज्य सरकार ने पुलिस की एक त्रिस्तरीय एंटी नारकोटिक फोर्स का गठन किया है। इस फोर्स ने बीते तीन वर्षों में 6199 से अधिक नशे के सौदागरों के खिलाफ कार्रवाई की है, और लगभग 275 करोड़ रुपये से अधिक के नारकोटिक पदार्थ भी बरामद किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा हमारे लिए साइबर अपराध एक बड़ी चुनौती बन चुका है। ।प् के आने के बाद पुलिस को इस दिशा में और भी अधिक सजग रहना होगा क्योंकि साइबर अपराधों का स्वरूप

कार्मिकों को एक विशेष रजत जयंती पदक प्रदान किए जाने, आगामी 3 वर्षों में पुलिस कर्मियों के आवासीय भवनों के निर्माण हेतु प्रतिवर्ष 100 करोड़ रुपए की धनराशि दी जाने, विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु पुलिस कल्याण निधि के अन्तर्गत वर्तमान में प्रावधानित ढाई करोड़ रुपए की धनराशि को पुनरीक्षित करते हुए आगामी एक वर्ष के लिए साढ़े चार करोड़ रुपए किए जाने एवं भवाली, नैनीताल, ढालमल्ला, काण्डा, बागेश्वर, नैनीडांडा, धुमाकोट, पौड़ी, घनसाली, टिहरी, सतपुली और पौड़ी में एसडीआरएफ के जवानों हेतु 5 बैरकों का निर्माण कराए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा और कानून–० यवस्था की जिम्मेदारी के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य सरकार, पुलिस बल के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक थाने में महिला हेल्प डेस्क के अंतर्गत [illegible] का गठन किया गया है। सरकार ने विगत तीन वर्षों में पुलिस विभाग के भवनों के निर्माण के लिए 500 करोड़ रुपये की धनराशि प्रदान की है। ये राशि पूर्व वर्षों की तुलना में कई गुना अधिक है। प्रशासनिक भवनों के साथ 688 आवासीय भवनों का निर्माण कार्य गतिमान है। शीघ्र ही हम 120 नए आवासों का निर्माण भी प्रारंभ करने जा रहे हैं। सरकार ने स्मार्ट पुलिसिंग की परिकल्पना को साकार करने के लिए जवानों के बैरक मैस और कार्यस्थलों के अपग्रेडेशन के लिए पर्याप्त धनराशि गतिमान है जिन्हें शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। इस वर्ष हमारे 215 कर्मियों को विशिष्ट कार्य एवं सेवा के लिए विभिन्न पदक एवं सम्मान चिन्हों से अलंकृत किया गया है। राज्य सरकार पुलिसकर्मियों की कैपेसिटी बिल्डिंग की दिशा में भी लगातार काम कर रही है। प्रशिक्षण संस्थानों को पर्याप्त धनराशि उपलब्ध करा रहे हैं। पीटीसी नरेंद्र नगर को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में भी विकसित किया जा रहा है। ।प और साइबर सुरक्षा से जुड़े प्रशिक्षण के लिए पुलिस कर्मियों को देश के प्रतिष्ठित प्रशिक्षण संस्थानों में भेजा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा पुलिस कर्मियों के वेतन, भत्ते, चिकित्सा प्रतिपूर्ति, और अवकाश से संबंधित सभी प्रक्रियाओं को ऑनलाइन कर दिया गया है। सरकार ने आपदा राहत कोटे के अंतर्गत 136 आश्रित परिवारों को विभिन्न पदों पर नियुक्तियां प्रदान की हैं। राज्य में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए ष्उत्तराखण्ड खेल नीतिष् के तहत कुशल खिलाड़ियों के लिए पुलिस विभाग में विशेष कोटे के माध्यम से भर्तियों का प्रावधान भी किया है। मुख्यमंत्री ने पुलिस के उच्च अधिकारियों से आग्रह करते हुए कहा कि पुलिस कर्मियों के लिए समय – समय पर मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा वीर जवानों की वीरता और उनके समर्पण की याद में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश में राष्ट्रीय पुलिस स्मारक की स्थापना की है। यह स्मारक आने वाली पीढ़ियों को हमारे जवानों की वीरता और से अधिक भक्तों को सुरक्षित और सुगम यात्रा एवं दर्शन कराने में अद्वितीय योगदान दिया है। वी.आई.पी कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के साथ ही राष्ट्रीय खेलों और राज्य में आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में चाक–चौबंद सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने सराहनीय कार्य किया। उन्होंने कहा राज्य में प्राकृतिक आपदाओं के खतरे का सामना भी हमारी पुलिस ने अदम्य साहस और तत्परता से किया। जिससे कई लोगों की जान बचाई जा सकी। मुख्यमंत्री ने कहा आधुनिक युग में अपराध का स्वरूप बदल रहा है, पुलिस की भूमिका और भी चुनौतीपूर्ण हो रही है। चोरी, डकैती, हत्या और महिला अपराध ों के साथ नशा और साइबर अपराध अब दिन–प्रतिदिन बदल रहा है। उन्होंने कहा हमें साइबर अपराधियों से मुकाबला करने के लिए एक कदम आगे रहना होगा, और इसके लिए हमारी पुलिस को तकनीकी ज्ञान में दक्ष होना आवश्यक है। उन्होंने कहा पुलिस फोर्स ने साइबर फ्रॉड के खिलाफ त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करते हुए 63 करोड़ रुपये से अधिक की राशि, पीड़ितों को लौटाकर उत्तराखंड पुलिस पर जनता के विश्वास को मजबूत किया है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, विधायक खजान दास, बृजभूषण गैरोला, श्रीमती सविता कपूर, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, डीजीपी दीपम सेठ, पूर्व मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, पूर्व डीजीपी अनिल रतूड़ीएवं अन्य लोग मौजूद रहे।

मैक्स ने रूद्रपुर में शुरू की लिवर ट्रांसप्लांट ओपीडी सेवाएं

उत्तराखण्ड सत्य,रुद्रपुर

मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, पटपड़गंज ने गुरुवार को रुद्रपुर स्थित कात्यायनी मेडिकल सेंटर में अपनी समर्पित लिवर ट्रांसप्लांट ओपीडी सेवाओं की शुरुआत की। इस विशेष अवसर पर अस्पताल के एचपीबी सर्जरी एवं लिवर ट्रांसप्लांट, लिवर ट्रांसप्लांट एंड बिलियरी साइंसेज विभाग के डायरेक्टर डॉ. अजीताभ श्रीवास्तव की उपस्थिति में ओपीडी का औपचारिक शुभारंभ किया गया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, डॉ. अजीताभ श्रीवास्तव हर महीने के तीसरे गुरुवार को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक मरीजों के लिए प्राथमिक परामर्श और फॉलो–अप के लिए उपलब्ध रहेंगे। इस अवसर पर डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि हम रुद्रपुर में अपनी स्पेशलाइज्ड लिवर ट्रांसप्लांट ओपीडी सेवाएं शुरू करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। इस पहल से मरीजों को समय पर विशेषज्ञ इलाज मिलेगा और उन्हें परामर्श के लिए बार–बार मेट्रो शहरों की यात्रा नहीं करनी पड़ेगी। हमारा उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को एक्सपर्ट केयर और एडवांस्ड ट्रीटमेंट उपलब्ध कराना हैउन्होंने बताया कि यह ओपीडी

स्टेट–ऑफ–द–आर्ट डायग्नोस्टिक टूल्स और ट्रीटमेंट फैसिलिटीज से सुसज्जित होगी, ताकि मरीजों को घर के करीब ही उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधा प्राप्त हो सके।डॉ. श्रीवास्तव ने आगे कहा कि, “हमारी ओपीडी सेवाएं एक ही छत के नीचे कम्प्रिहेंसिव केयर प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई हैं। यह ओपीडी उन मरीजों के लिए भी एक महत्वपूर्ण लिंक का कार्य करेगी जिन्हें एडवांस्ड लिवर ट्रांसप्लांट इवैल्यूएशन, पोस्ट–ऑपरेटिव केयर या क्रॉनिक लिवर डिजीज के लॉन्ग–टर्म मैनेजमेंट की आवश्यकता है। हमारा लक्ष्य समुदाय के स्वास्थ्य और कल्याण पर सकारात्मक प्रभाव डालना है, और यह ओपीडी उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ज्ञात हो कि मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, पटपड़गंज, लिवर ट्रांसप्लांट और हेपेटोबिलियरी केयर के क्षेत्र में देश के अग्रणी संस्थानों में से एक है। रुद्रपुर में शुरू की गई यह नई ओपीडी, अस्पताल की कम्युनिटी आउटरीच को और विस्तार देगी तथा रुद्रपुर और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण और विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक सार्थक प्रयास साबित होगी।

ड्रीमर्स केयर फाउंडेशन ने जरूरतमंदों संग मनाई दिवाली

उत्तराखण्ड सत्य,रुद्रपुर

दीपों के पर्व पर जहाँ एक ओर शहर की गलियाँ रोशनी से नहा रही थीं, वहीं दूसरी ओर ड्रीमर्स केयर फाउंडेशन की टीम ने दिवाली को कुछ अलग अंदाज में मनाते हुए मानवता की मिसाल पेश की। फाउंडेशन ने इस बार अपनी खुशियाँ उन जरूरतमंद परिवारों के साथ साझा कीं, जिनके जीवन में शायद ही कभी उजाला पहुँच पाता है। फाउंडेशन की ऑनर ममता पांडे और दीपक पांडे ने बताया कि “बड़े और संपन्न लोगों के साथ तो हर कोई दिवाली मना लेता है, लेकिन जब किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान आती है, वही असली दिवाली का सुकून होता है। दिवाली तभी सार्थक होती है जब उसका उजाला किसी और के जीवन में भी फैले। इस विशेष पहल के तहत फाउंडेशन की टीम रात के समय रुद्रपुर की गलियों और झुग्गी बस्तियों में पहुँची। वहाँ उन्होंने गरीब परिवारों को मिठाई, पुराने कपड़े और राशन सामग्री वितरित की। बच्चों ने जहाँ पहली बार दिवाली की मिठाई का स्वाद चखा, वहीं बुजुर्गों ने टीम के सदस्यों को दिल से दुआएँ दीं। इस दौरान फाउंडेशन की टीम में हरीश पांडे, सोनाली पांडे, प्रज्वल पांडे, यश पांडे और परिधि पांडे शामिल रहे। सभी ने मिलकर इस सामाजिक पहल को सफल बनाया। टीम की सदस्य और उत्तराखंड की एक्ट्रेस सोनाली पांडे ने कहा जब हमने बच्चों की आँखों में चमक देखी, तो लगा कि हमारी छोटी–सी कोशिश ने किसी के दिल में उजाला कर दिया। यही असली दिवाली है। फाउंडेशन के डायरेक्टर हरीश पांडे ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य केवल सामग्री बाँटना नहीं था, बल्कि समाज को यह संदेश देना था कि खुशियाँ बाँटने से बढ़ती हैं।

उन्होंने कहा कि दिवाली सिर्फ दीयों और पटाखों का त्योहार नहीं, बल्कि मानवता, प्रेम और एकता का प्रतीक है। फाउंडेशन सदस्य प्रज्वल पांडे ने कहा हम चाहते हैं कि समाज के हर व्यक्ति तक यह संदेश पहुँचे कि दिवाली केवल अपने घर की नहीं, बल्कि दूसरों के दिलों में भी रोशनी भरने का पर्व है। जब हम किसी के जीवन में खुशियाँ बाँटते हैं, तो ईश्वर हमारे जीवन को और उज्जवल बना देते हैं। वहीं परिधि पांडे ने कहा दिवाली की असली चमक पटाखों में नहीं, किसी की मुस्कान में होती है। जब हम दूसरों के जीवन में रोशनी भरते हैं, तभी इंसानियत की दिवाली होती है।

नगर निगम ने हजारों दीप जलाकर मनाया दीपोत्सव

उत्तराखण्ड सत्य,रूद्रपुर

नगर निगम की ओर से दीपावली के उपलक्ष्य में "शुभ दीपावली - स्वच्छ दिवाली" थीम पर एक भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसने शहरवासियों के लिए इस पर्व को और भी यादगार बना दिया। कार्यक्रम का आयोजन कल्याणी वाटिका और गांधी पार्क में किया गया, जहां हजारों दीपों की रोशनी से वातावरण जगमगा उठा। कार्यक्रम की शुरुआत शनिवार शाम महापौर विकास शर्मा के नेतृत्व में कल्याणी वाटिका परिसर में वृहद स्वच्छता अभियान से हुई। नगर निगम की टीम, भाजपा कार्यकर्ता और सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने मिलकर पार्क क्षेत्र और आस-पास के क्षेत्रों में सफाई की। इस दौरान उपस्थित नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई और जागरूकता संदेशों के माध्यम से यह अपील की गई कि दीपावली जैसे पर्व पर स्वच्छता को प्राथमिकता दें। महापौर विकास शर्मा ने कहा कि नगर निगम की यह पहल सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि एक जागरूकता अभियान है। दीपावली पर जब लोग अपने घरों की साफ-सफाई करते हैं, उसी तरह सार्वजनिक स्थलों और आस-पास के वातावरण को भी स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी हम सभी की है। उन्होंने शहरवासियों से अपील की कि प्लास्टिक और अन्य हानिकारक सामग्रियों की जगह मिट्टी के दीयों का उपयोग करें और स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दें। स्वच्छता अभियान के पश्चात जैसे ही शाम ढली, कल्याणी वाटिका क्षेत्र हजारों दीपों की रौशनी से जगमगा उठा। नगर निगम द्वारा आयोजित इस दीपोत्सव में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लिया। सभी ने मिलकर दीप जलाए और शहर की समृद्धि व शांति के लिए प्रार्थना की। इसके बाद गांधी पार्क में आयोजित स्वदेशी दीपावली मेले में भी दीपोत्सव का आयोजन किया गया। यहां भी हजारों दीयों को प्रज्वलित कर रोशनी के इस पर्व को गरिमामय रूप में मनाया गया। महापौर विकास शर्मा ने इस मौके पर धनतेरस और दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नगर निगम का उद्देश्य दीपावली को केवल रोशनी का पर्व नहीं, बल्कि स्वदेशी और स्वच्छता का प्रतीक बनाना है। उन्होंने कहा कि दीपावली पर्व एक ऐसा मौका है जब हम समाज को स्वच्छ, सुंदर और सकारात्मक संदेश दे सकते हैं। नगर निगम का प्रयास है कि इस पर्व को केवल घरों तक सीमित न रखकर, पूरे शहर के स्तर पर स्वच्छता और सामाजिक चेतना का संदेश दिया जाए। इसी के तहत इस बार दीपावली को विशेष रूप से जनभागीदारी से जोड़ने का प्रयास किया गया है। महापौरने कहा कि हम सब अपने घरों को दीपावली से पहले सजा कर, साफ कर सुंदर बना लेते हैं, लेकिन अक्सर अपने घर के बाहर फैले कचरे, गंदगी और सार्वजनिक स्थलों की सफाई को नजरअंदाज कर देते हैं। नगर निगम यह चाहता है कि इस दीपावली पर हर नागरिक अपने घर के साथ-साथ अपने मोहल्ले, पार्क, गलियों और सड़कों की स्वच्छता को भी उतनी ही प्राथमिकता दे। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य सिर्फ आयोजन करना नहीं, बल्कि एक सकारात्मक सोच को समाज तक पहुँचाना है कि दीपावली मनाएं, मगर जिम्मेदारी के साथ। मिट्टी के दीये जलाएं, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दें, और पॉलिथीन जैसे हानिकारक उत्पादों से बचें। ये छोटे कदम मिलकर एक बड़े बदलाव की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। महापौर ने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे नगर निगम के प्रयासों में सहभागी बनें, सफाईकर्मियों का सम्मान करें और स्वच्छता को एक आदत और संस्कार के रूप में अपनाएं। कार्यक्रम में महापौर के साथ सीओ प्रशांत कुमार, उप नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडे, सहायक नगर आयुक्त राजू नवियाल, कोतवाल मनोज रतूड़ी, सहायक नगर आयुक्त रणदीप सिंह,भाजपा मंडल अध्यक्ष सुनील ठुकराल, राजन राठौर, पार्षद विष्णु, विजय तोमर, सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

डॉ. कपिल शर्मा बने सांसद अजय भट्ट के प्रतिनिधि

उत्तराखण्ड सत्य,रूद्रपुर

शहर के प्रतिष्ठित चिकित्सक एवं भाजपा नेता डॉ. कपिल शर्मा को बड़ी जिम्मेदारी मिली है। नैनीताल-उधम सिंह नगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय भट्ट ने उन्हें रुद्रपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए स्वास्थ्य विभाग का प्रतिनिधि नियुक्त किया है। इस नियुक्ति की औपचारिक घोषणा सांसद भट्ट ने स्वदेशी मेले के मंच से सार्वजनिक रूप से की। इस सम्मानजनक दायित्व की घोषणा होते ही डॉ. कपिल शर्मा के शुभचिंतकों, समर्थकों और भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। सांसद अजय भट्ट ने इस अवसर पर कहा कि डॉ. कपिल शर्मा न केवल एक योग्य चिकित्सक हैं, बल्कि समाजसेवा और संगठनात्मक

कार्यों में भी निरंतर सक्रिय रहते हैं। मुझे विश्वास है कि वे स्वास्थ्य विभाग की प्रतिनिधि भूमिका को निष्ठा, समर्पण और पूरी जिम्मेदारी के साथ निभाएंगे तथा जनता की समस्याओं के समाधान हेतु सतत प्रयासरत रहेंगे। इस अवसर पर उपस्थित रुद्रपुर विधायक शिव अरोरा और नगर निगम मेयर विकास शर्मा ने भी डॉ. शर्मा को बधाई देते हुए कहा कि यह नियुक्ति क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। विधायक अरोरा ने कहा डॉ. कपिल शर्मा हमेशा जनहित में कार्य करते रहे हैं। सांसद द्वारा उन्हें यह दायित्व सौंपना इस बात का प्रमाण है कि पार्टी उनके कार्यों पर भरोसा करती है। मेयर विकास शर्मा ने भी डॉ. शर्मा को बधाई देते हुए कहा कि उनकी नियुक्ति से रुद्रपुर में स्वास्थ्य संबंधी कार्यों में और अधिक प्रभावी गति आएगी और आम जनता को लाभ मिलेगा। स्वदेशी मेला परिसर में विधायक शिव अरोरा और मेयर विकास शर्मा ने डॉ. कपिल शर्मा को शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा नए दायित्व की शुभकामनाएं दीं। नया दायित्व मिलने पर डॉ. कपिल शर्मा ने सांसद अजय भट्ट का आभार प्रकट करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी दी गई है, उसे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और सक्रियता के साथ निभायेंगे और आमजन की स्वास्थ्य समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाया जाएगा और उसका समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

महान नगर कीर्तन 4 नवम्बर को

रुद्रपुर। साहब श्री गुरू नानक देव जी महाराज के प्रकाश पूरब पर आगामी 4 नवम्बर को शहर में महान नगर कीर्तन का आयोजन किया जायेगा। जानकारी के अनुसार प्रबंधक कमेटी गुरूद्वारा श्री गुरू सिंह सभा गोल मार्केट द्वारा आयोजित होने वाले इस महान नगर कीर्तन का प्रात: 11 बजे श्री गुरूनानक हायर सेकेंडरी स्कूल आदर्श कालोनी से अरदास के साथ शुभारम्भ होगा। जिसमें विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी आकर्षक झांकियों व पीटी शो के साथ शामिल होंगे। वहीं गतका पार्टी हैरतंगेज करतब दिखायेंगी। रागी जत्थे, स्त्री सत्संग सभा व सैकड़ों श्रद्धालु अलग अलग जत्थों में गुरू की महिमा का गुण गान करेंगे। श्री गुरू ग्रंथ साहिब को एक सुसज्जित पालकी में विराजमान किया जायेगा। जिसके आगे सेवादार महिला पुरूष जल छिड़काव करते और झाड़ू लगाते चलेंगे। इसके साथ ही महान नगर कीर्तन में कई आकर्षक झांकिया प्रदर्शित की जायेंगी। नगर कीर्तन शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरने के बाद सायंकाल गुरूद्वारा श्री गुरू सिंह सभा गोल मार्केट में सम्पन्न होगा। 5 नवम्बर को गुरूद्वारा में प्रात: 8 बजे से से सायं 3 बजे तक व सायं 5.30 बजे से रात्रि 12 बजे तक गुरमति समागम का आयोजन किया जायेगा। जिसमें हजूरी रागी श्री दरबार साहिब भाई जसवंत सिंह, हैड ग्रंथी गुरूद्वारा शीशगंज ज्ञानी अंग्रेज सिंह, रागी जत्था लुधियाना भाई राजेन्द्र सिंह, रूद्रपुर के भाई पवनदीप सिंह, हजूरी कथावाचक ज्ञानी रेशम सिंह, हजूरी कीर्तनी जत्था भाई अमरजीत सिंह, हजूरी ग्रंथी ज्ञानी रणजीत सिंह, रूद्रपुर के भाई मरदाना जी गुरमति संगीत अकेडमी गुरू की महिमा का गुणगान करेंगे। साथ ही गुरू का अटूट लंगर बरताया जायेगा।

जरूरतमंदों संग मनाई गई खुशियों भरी दिवाली

उत्तराखण्ड सत्य,रुद्रपुर

दीपों के पर्व को सच्चे अर्थों में रोशन करते हुए सेवा क्रांति वेलफेयर ट्रस्ट रुद्रपुर ने इस वर्ष भी अपने 'खुशियों भरी दिवाली' कार्यक्रम के तहत समाज के जरूरतमंद और वंचित वर्ग के साथ दिवाली का उल्लास साझा किया। मानवता और सेवा के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए ट्रस्ट की टीम ने गरीब और असहाय परिवारों को माँ लक्ष्मी की तस्वीर, मोमबत्तियाँ, माला, कैलेंडर और मिठाई वितरित की। इस पहल ने सैकड़ों घरों में दीपावली की रौशनी के साथ-साथ मुस्कान भी पहुँचा दी। कार्यक्रम का आयोजन संस्था के संस्थापक श्री रामवीर यादव और सह-संस्थापक श्रीमती अलका अरोड़ा के मार्गदर्शन में किया गया। इस दौरान पंडित जितेंद्र शर्मा, ललित चौहान, प्रीति दीदी, सनी भाई, रंजीत भाई समेत संस्था की पूरी टीम ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर श्री रामवीर यादव ने कहा सच्ची दिवाली वही है, जो किसी जरूरत मंद के चेहरे पर मुस्कान ला सके। सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और मानवता ही हमारी सच्ची पहचान। वहीं सह-संस्थापक श्रीमती अलका अरोड़ा ने बताया कि संस्था हर त्यौहार पर समाज के उपेक्षित वर्ग को साथ लेकर चलने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा खुशियाँ बाँटने से बढ़ती हैं और यही दिवाली का असली संदेश है।

मुख्यमंत्री ने गौशाला में की गौमाता की पूजा

उत्तराखण्ड सत्य,रुद्रपुर

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज मुख्यमंत्री आवास स्थित गौशाला में गोवर्धन पूजा के अवसर पर गौमाता की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली, समृद्धि और जन कल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोवर्धन पूजा प्रकृति संरक्षण, मनुष्यों एवं जानवरों के बीच के प्रेम को दर्शाता है। यह पर्व हमें अपनी परंपराओं, संस्कृति और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बने रहने का भी संदेश देता है।मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंदू धर्म में गाय को माता का दर्जा मिला है। गौमाता सनातन संस्कृति और कृषि जीवन का अभिन्न हिस्सा है। उनकी सेवा और संरक्षण, हमारे जीवन को आगे बढ़ाता है। कई परिवारों का भरण-पोषण गाय पालन और गौ-सेवा से होता है। गौ-संवर्धन

धार्मिक भावनाओं से जुड़े होने के साथ ही आजीविका और आत्मनिर्भरता से भी जुड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री ने सभी से अपील की है कि हम सभी मिलकर गायों की सेवा, सुरक्षा और संरक्षण के लिए प्रयास करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निराश्रित गौवंश के लिए गौ सदनों के निर्माण और संचालन को बढ़ावा दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में निराश्रित पशुओं (जिन्हें गौशालाओं में पाला जा रहा है) के भरण पोषण के लिए पहले 5 रुपए प्रति दिन प्रति पशु दिया जाता था, इसे बढ़ाकर अब 80 रुपए प्रति पशु/ प्रति दिन किया गया है। निजी रूप से गौशालाओं के निर्माण में राज्य सरकार ने 60 फीसदी सब्सिडी देने का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि राज्य में करीब 54 गौ सदनों का निर्माण कार्य जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा आगे भी राज्य सरकार गौ संरक्षण कार्य करती रहेगीं।

इस वर्ष 17.50 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए बाबा केदार के दर्शन

मुख्यमंत्री ने यात्रा की व्यवस्थाओं से जुड़े सभी विभागों, कर्मचारियों एवं केदारनाथ आए श्रद्धालुओं का किया धन्यवाद

उत्तराखण्ड सत्य, रूद्रप्रयाग

विश्व प्रसिद्ध ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग श्री केदारनाथ धाम के कपाट गुरुवार को प्रातः 08.30 बजे विधिवत रूप से बंद हो गए । इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद रहे। कपाट बंद होने से पूर्व मंदिर को पुष्पों से भव्य रूप में सजाया गया । सेना के बैंड की भक्ति धुनों और "जय बाबा केदार" के जयघोष के साथ मंदिर परिसर श्रद्धाभाव से गूंज उठा। ठंडे मौसम के बावजूद लगभग 10 हजार श्रद्धालु कपाट बंद होने की ऐतिहासिक घड़ी के साक्षी बने। कपाट बंद करने की प्रक्रिया के अंतर्गत ब्रह्म मुहूर्त में श्री केदारनाथ धाम के मुख्य पुजारी बागेश लिंग एवं आचार्यगणों द्वारा यज्ञ, हवन एवं समाधि पूजन किया गया। तत्पश्चात भगवान केदारनाथ के स्वयंभू शिवलिंग को स्थानीय पुष्पों-कुमजा, बुकला, राख, ब्रह्मकमल, सूखे पुष्प-पत्रों से ढककर समाधि रूप दिया गया। इसके बाद गर्भगृह के द्वार जय बाबा केदार के उदघोष के साथ शीतकाल हेतु बंद किए गए। कपाट बंद होने के पश्चात मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में मंदिर के पूर्वी व दक्षिणी द्वार विधि वत बंद किए गए। इसके उपरांत भगवान केदारनाथ की पंचमुखी उत्सव डोली को मंदिर की परिक्रमा कर प्रथम पड़ाव रामपुर के लिए प्रस्थान कराया गया। सेना के बैंड, डोली वाहकों, पुजारियों और श्रद्धालुओं के जयघोषों से संपूर्ण धाम गुंजायमान हो उठा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस अवसर पर देश-विदेश से आए सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी विजन के अनुरूप केदारपुरी का भव्य और दिव्य पुनर्निर्माण कार्य हुआ है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 में चारधाम यात्रा के अंतर्गत रिकॉर्ड 50 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने धामों के दर्शन किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कपाट बंद होने के पश्चात शीतकालीन यात्रा को भी राज्य सरकार द्वारा प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि श्रद्धालु चार धामों के शीतकालीन गद्दी स्थलों में भी पूजा अर्चना कर सकें। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से शीतकाल में भी चारों धामों के गद्दी स्थलों में आकर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करने का आग्रह किय। शीतकाल में भी श्रद्धालुओं के यात्रा करने से स्थानीय व्यापारियों, होमस्टे एवं होटल चालकों आदि की आजीविका निरंतर गतिमान रहेगी। मुख्यमंत्री ने यात्रा से जुड़े सभी विभागों, सुरक्षा बलों, मंदिर समिति, स्थानीय नागरिकों, स्वयंसेवी संस्थाओं और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया तथा इस वर्ष की यात्रा को सफल, सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाए रखने के लिए सभी को बध ई दी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष केदारनाथ यात्रा का संचालन अत्यंत सुचारु एवं सफलतापूर्वक हुआ। तथा इस वर्ष कुल 17,68,795 श्रद्धालुओं ने बाबा केदार के दर्शन किए, जो पिछले वर्ष 2024 के 16,52,076 तीर्थयात्रियों की तुलना में लगभग सवा लाख अधिक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यात्रा के दौरान प्राकृतिक आपदा को छोड़कर संपूर्ण यात्रा अवधि में व्यवस्थाएं सुचारु रहीं। शीतकालीन अवधि में भी श्री केदारनाथ धाम में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रहेगी और शीतकालीन पूजाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा। कपाट बंद होने के पश्चात बाबा केदार की पंचमुखी उत्सव डोली आज प्रस्थान कर प्रथम पड़ाव रामपुर में रात्रि विश्राम हेतु पहुंचेगी। कल शुक्रवार, 24 अक्टूबर को डोली श्री विश्वनाथ मंदिर, गुप्तकाशी पहुंचेगी, जहां रात्रि विश्राम के पश्चात शनिवार, 25 अक्टूबर को शीतकालीन गद्दीस्थल श्री ओंकारेश्वर मंदिर, ऊखीमठ के लिए प्रस्थान करेगी। कपाट बंद समारोह के अवसर पर विधायक केदारनाथ आशा नौटियाल, जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रप्रयाग पूनम कठैत, बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी, भाजपा जिलाध्यक्ष भारत भूषण भट्ट, कृषि विपणन बोर्ड अध्यक्ष अनिल डब्बू, बीकेटीसी उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती, जिलाधिकारी प्रतीक जैन, पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रहलाद कोंडे, एवं अन्य लोग रहे।

दून में होगा 47वां ऑल इंडिया पब्लिक रिलेशन्स कॉन्फ्रेंस

उत्तराखण्ड सत्य,देहरादून

राज्यसभा सांसद नरेश बंसल ने बुधवार को पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया देहरादून चौप्टर की ओर से आयोजित होने वाले 47वें ऑल इंडिया पब्लिक रिलेशन्स कॉन्फ्रेंस 2025 के ब्रोशर का विमोचन किया। यह राष्ट्रीय सम्मेलन आगामी 13 से 15 दिसंबर 2025 तक देहरादून में आयोजित होगा। सम्मेलन का मुख्य विषय "विकसित भारत / 2047 के लिए जनसंपर्क विजन" निर्धारित किया गया है। विमोचन अवसर पर सांसद नरेश बंसल ने कहा कि जनसंपर्क समाज, सरकार और जनता के बीच एक सशक्त सेतु के रूप में कार्य करता है। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क केवल सूचना के प्रसार का माध्यम नहीं, बल्कि संवाद, विश्वास और सकारात्मक सोच के जरिए विकास को नई दिशा देने का सशक्त उपकरण है। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं और कार्यक्रमों से जनता को जोड़ने में जनसंपर्क की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यह सम्मेलन न केवल विचारों के आदान-प्रदान का मंच बनेगा, बल्कि भारत/2047 की दृष्टि को सशक्त बनाने में भी योगदान देगा। सांसद बंसल ने कहा कि उत्तराखंड अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर रहा है, ऐसे में देहरादून में इस स्तर का आयोजन होना राज्य के लिए गर्व की बात है।उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल प्रदेश को नई पहचान देगा, बल्कि जनसंपर्क के क्षेत्र में कार्यरत युवा पेशेवरों के लिए सीखने और अनुभव साझा करने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी होगा। पीआरएसआई देहरादून चौप्टर के पदाधिकारियों ने बताया कि यह तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन जनसंपर्क के महाकुंभ के रूप में आयोजित किया जाएगा। इसमें देशभर से जनसंपर्क विशेषज्ञ, मीडिया प्रतिनिधि, कॉर्पोरेट प्रोफेशनल्स और शिक्षाविद शामिल होंगे। सम्मेलन के दौरान जनसंपर्क के बदलते परिदृश्य, डिजिटल मीडिया की भूमिका और लोक-संचार के नए आयामों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया जाएगा। पदाधिकारियों ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य जन संपर्क के क्षेत्र में नवीन प्रयोगों, सफल पहलों और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना है, ताकि "विकसित भारत / 2047" के लक्ष्य को साकार करने में एक सशक्त, जिम्मेदार और संवेदन शील संपर्क तंत्र तैयार किया जा सके

पांच मंदिर में भक्तिभाव से मनी गोवर्धन पूजा

उत्तराखण्ड सत्य,रुद्रपुर

श्री सनातन धर्म सभा के संरक्षण में संचालित श्री लक्ष्मी नरायण मंदिर एवं श्री हरि मंदिर में श्री गोवर्धन पूजा का कार्यक्रम श्रद्धाभाव से मनाया गया। प्रातः प्रभात फेरी के बाद भगवान गोवर्धन की महिमा का वर्णन कथा में पं. पुष्पेन्द्र शास्त्री ने किया। उन्होंने बताया कि भगवान श्री कृष्ण की सर्वव्यापकता ही इस पूजा में दर्शाया गया है। पूर्णब्रह्म श्री कृष्ण ही नर चेतना में व्यापक रूप से वर्तमान हैं। इन्द्र देवराज हैं। इनकी श्रेष्ठता ही इनका दर्प उत्पन्न करता है। इसी दर्प को अपनी लीला से भगवान दलन कर श्री कृष्ण ने प्रमाणित किया कि सर्व जीव में ईश्वर का वास है। जन चेतना उसी ईश्वर का रूप है। अभिमान वश किसी को नीचा दिखाना ठीक नहीं। इन्द्र ने अपनी महत्ता दिखाने के लिए भगवान श्री कृष्ण एवं समस्त ब्रजवासियों की उपेक्षा की। अपनी पूजा ही श्रेष्ठ माना। भगवान के विचारों को स्वीकार नहीं किया। ब्रजमंडल में विपत्ति उत्पन्न कर वर्षा से जलमग्न कर दिया। श्री कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को अपनी छोटी उंगली पर धारणकर समस्त ब्रज व गोधन की रक्षा की। ब्रह्मा जी के समझाने पर इन्द्र को पूर्ण ब्रह्म श्री कृष्ण में उनकी ईश्वरी सत्ता का ज्ञान हुआ। इस पर इन्द्र ने श्री कृष्ण से क्षमा मांगते हुए अपनी भूल स्वीकार की। श्री कष्ण ने श्री गोवर्धन में अपने पूर्ण स्वरूप का दर्शन कराया तथा अनेक व्यंजनों को अर्पण कर विधि वत पूजा करवाई। गोवर्धन पूजा का स्वरूप श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में बनवाकर पूजा की गई। छप्पन भोग अर्पण किये गये। पूजा में नन्दलाल भुड्डी, महेश बब्बर, ओमप्रकाश अरोरा, तिलकराज घई, विजय जग्गा, शशि अरोरा सहित श्री सनातन धर्म सभा के समस्त सदस्य, महिला मंडल की पदाधिकारी व सदस्य आदि भक्त मौजूद रहे। अंत में भोग प्रसाद लंगर के रूप में वितरित किया गया।

जिंदगी को नई दुनिया में ले जाएगी जटाधारा

उत्तराखण्ड सत्य,मुम्बई

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार महेश बाबू ने फिल्म 'जटाधारा' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज कर दिया है। 'जटाधारा' का धमाकेदार ट्रेलर अब आधिकारिक रूप से रिलीज हो चुका है, जिसे सुपरस्टार महेश बाबू ने डिजिटली रिलीज किया है। वैंकट कल्याण द्वारा निर्देशित इस अलौकिक थ्रिलर में सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा मुख्य भूमिकाओं में हैं और दिव्या खोसला अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। ट्रेलर रिलीज के मौके पर जटाधारा के बारे में बात करते हुए निर्माता शिविन नारंग ने कहा कि जटाधारा सिर्फ एक अलौकिक थ्रिलर नहीं है; यह हमारी सांस्कृतिक जड़ों की उस गहराई में उतरने की यात्रा है, जहां मिथक सांस लेते हैं और अंधकार सुनता है। मैंने एक ऐसी दुनिया रचने की कोशिश की है, जहां हर अनुष्ठान में शक्ति होती है और हर दंतकथा की एक कीमत होती है। मुख्य अभिनेता सुधीर बाबू ने अपनी बात साझा करते हुए कहा कि यह मेरे करियर के सबसे गहन और चुनौतीपूर्ण किरदारों में से एक है। कहानी की गहराई और ऊर्जा कुछ ऐसी है जैसी मैंने पहले कभी महसूस नहीं की। इसके साथ ही फिल्म की मुख्य नायिका अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने कहा कि जटाधारा को खास बनाता है, इसका अलौकिकता को मानवीय भावनाओं से जोडना। यहां डर केवल बाहर नहीं, बल्कि भीतर तक असर करता है और कहानी खत्म होने के बाद भी मन में बना रहता है। जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत 'जटाधारा' का निर्माण उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा ने किया है। सह-निर्माता अक्षय केजरीवाल और कुस्सुम अरोड़ा हैं, जबकि क्रिएटिव प्रोड्यूसर दिव्या विजय और सुपरवाइजिंग प्रोड्यूसर भाविनी गोस्वामी हैं। फिल्म का शानदार साउंडस्केप जी म्यूजकि कंपनी ने तैयार किया है। 'जटाधारा' सात नवंबर को हिंदी और तेलुगु में रिलीज होगी।

परेश रावल की कोर्टरूम ड्रामा फिल्म दि ताज स्टोरी का ट्रेलर रिलीज

उत्तराखण्ड सत्य,मुंबई

बॉलीवुड के जानेमाने चरित्र अभिनेता की कोर्टरूम ड्रामा फिल्म दि ताज स्टोरी का ट्रेलर रिलीज हो गया है। स्वर्णिम ग्लोबल सर्विसेज प्रा. लि. और सीए सुरेश झा की प्रस्तुति, तुषार अमरीश गोयल द्वारा लिखित और निर्देशित तथा परेश रावल द्वारा अभिनीत फिल्म दि ताज स्टोरी का बहुप्रतीक्षित, दमदार और प्रभावशाली ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस फिल्म में परेश रावल, विष्णु दास नामक एक ऐसे गाइड की भूमिका में नजर आ रहे हैं, जो ताजमहल के पीछे की सच्चाई जानने की जिज्ञासा रखते हैं, और उनकी ये जिज्ञासा उन्हें एक ऐसे रास्ते पर ले जाती है, जहाँ सदियों पुराने विश्वासों को चुनौती मिलती है और दबे हुए सच सामने आते हैं। ट्रेलर में परेश रावल और जाकिर हुसैन के बीच होने वाली तीखी बहसें दिखाई गई हैं, जहां एक व्यक्ति का साहस पूरी कौम के अंत:करण को झकझोर देने की ताकत रखता है। कहानी जैसे-जैसे आगे बढ़ती है, इसमें कई अहम किरदार सामने आते हैं, जो 'सच्चाई बनाम धारणा' की इस बहस का हिस्सा बनते हैं। परेश रावल ने कहा कि विष्णु दास एक ऐसा किरदार है, जो साहस और विश्वास से भरा है। ताजमहल की सच्चाई की खोज में उसकी यात्रा न केवल पुराने विश्वासों को चुनौती देती है, बल्कि दर्शकों को इतिहास के प्रति एक नया दृष्टिकोण अपनाने के लिए आमंत्रित करती है।

रश्मिका बनीं देश की असली 'अशर्फी गर्ल'

उत्तराखण्ड सत्य,मुम्बई

जानमानी अभिनेत्री रश्मिका मंदाना अपनी एक्टिंग, खूबसूरती और चार्म की वजह से हैं देश की असली 'अशर्फी गर्ल' बन गई हैं। गाना 'श्रीवल्ली' जब पहली बार रिलीज हुआ, तब उसकी एक लाइन तेरी झलक अशर्फी हर किसी के दिल में उतर गई। एक सिंपल मगर खूबसूरत उपमा, जिसने रश्मिका मंदाना की खूबसूरती और उनके अंदाज को अशर्फी से जोड़ दिया। तब से अशर्फी गर्ल नाम उनके साथ जुड़ गया, जो अब सिर्फ एक प्यारा सा निकनेम नहीं, बल्कि उनके फिल्मी सफर की पहचान भीनबन गया है। सोना, आखिरकार, भारतीय संस्कृति में सिर्फ एक धातु नहीं, बल्कि पवित्रता, समृद्धि और स्थायित्व का प्रतीक है। ठीक सोने की तरह, रश्मिका ने भी अपना करियर मेहनत, कीमत और ऐसी चमक से बनाया है जो कभी फीकी नहीं पड़ती। साउथ से अपने शुरुआती किरदारों से लेकर पैन इंडिया सफलता तक, वह अपनी पीढ़ी की सबसे पसंदीदा और भरोसेमंद सितारों में से एक बन चुकी हैं। पर्दे पर उनकी मौजूदगी सच्चाई बिखेरती है, और पर्दे के बाहर उनका सादा, अपनापन भरा स्वभाव उन्हें एक ऐसी स्टार बनाता है जो सिर्फ ग्लैमर नहीं, बल्कि गहराई से भी चमकती है। यह बात और भी खास हो जाती है जब धनतेरस का त्योहार आता है, क्योंकि यह त्योहार धन, खुशहाली और सोने की शुभता से जुड़ा है। लोग सदियों से इस दिन अशर्फियां घर लाते हैं, यह मानकर कि वे घर में सौभाग्य लाती हैं। उसी तरह, रश्मिका की मौजूदगी भी फिल्म इंडस्ट्री के लिए सौभाग्य जैसी है, एक ऐसी 'अशर्फी' जो हर रोल, हर एड और हर दर्शक के दिल को छूकर अपनी कीमत बढ़ाती जाती है। आज, ब्रांड्स और फिल्ममेकर दोनों ही रश्मिका को भरोसे, सफलता और हमेशा रहने वाले आकर्षण का प्रतीक मानते हैं। चाहे वह किसी बड़े ग्लोबल कैंपेन का चेहरा हों, बड़ी फिल्मों की लीड स्टार हों, या अपने फैन्स से जुड़ती हों, रश्मिका हर जगह एक 'अशर्फी' की तरह कीमती, हमेशा रहने वाली और चमक बिखेरती हुई नजर आती हैं।

कुमार सानू का 'हाय मेरा दिल' रिलीज

उत्तराखण्ड सत्य,मुम्बई

भारतीय संगीत जगत के प्रसिद्ध गायकों में से एक कुमार सानू का नया रोमांटिक गाना "हाय मेरा दिल" रिलीज होते ही तेजी से वायरल हो रहा है। इस गाने में नब्बे के दशक के संगीत और वर्तमान रूहानी धुन का बेहतरीन सम्मिश्रण किया गया है, जिससे हर उम्र के श्रोता इसे पसंद कर रहे हैं। गाने के निर्माता संजय बेडीया गिरगांवकर ने इसे संजीव चतुर्वेदी के साथ मिलकर तैयार किया है और यह बेडीया फिल्म म्यूजिक के बैनर तले रिलीज हुआ है। गाने के निर्माण में संजय बेडीया गिरगांवकर का योगदान सराहनीय है। उन्होंने इस गाने की हर झलक और संगीत की बारीकियों पर विशेष ध्यान दिया है। निर्माता ने बताया कि गाने का मकसद श्रोताओं को रोमांस और नॉस्टैल्जिया का अनुभव देना था, और इसके लिए उन्होंने पूरी टीम के साथ मिलकर बेहद मेहनत की। उनके निर्देशन और प्रोडक्शन के अनुभव ने गाने को हाई क्वालिटी और बेहद आकर्षक बनाया है। इस रोमांटिक गाने में कुमार सानू की आवाज ने जादू बिखेर दिया है। उनकी मधुर और भावपूर्ण गायिकी ने गाने को खास पहचान दी है। साथ ही महिमा गुप्ता और विश्वास सराफ की आवाज ने गाने में नयापन और ऊर्जा का संचार किया है। संगीत संयोजन और संगीत प्रबंधन का काम सारिका चतुर्वेदी ने कुशलतापूर्वक किया है, जिसने गाने को पूरी तरह जीवंत बना दिया है। गाने के वीडियो निर्देशन का जिम्मा मुनीश कल्याण ने संभाला है। उन्होंने रोमांटिक सीन और भावनात्मक भावों को कैमरे में खूबसूरती से कैद किया है। इसके अलावा, कोरियोग्राफर अनुप राय ने गाने में डांस और मूवमेंट को अत्यंत आकर्षक बनाया है। "हाय मेरा दिल" का संगीत और वीडियो दोनों ही सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रहे हैं। निर्माता संजय बेदिया गिरगांवकर ने इस सफलता का श्रेय पूरी टीम को दिया और कहा कि यह गाना उनके दिल के करीब है। वहीं, कुमार सानू की आवाज और संजीव चतुर्वेदी की रचनात्मकता ने इसे एक यादगार रोमांटिक ट्रैक बना दिया है। इस गाने को अब तक लाखों लोग देख और सुन चुके हैं, और यह आगामी हिट गानों में अपना नाम दर्ज कर चुका है।

स्व डायमंड्स की ब्रांड एंबेसडर बनीं प्रीति जिंटा

उत्तराखण्ड सत्य,मुंबई

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा को स्व डायमंड्स का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। जानी-मानी बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा अब स्व डायमंड्स के साथ मिलकर भारत और संयुक्त अरब अमीरात में ब्रांड की उपस्थिति को और मजबूत करेंगी। स्व डायमंड्स की ब्रांड एंबेस्डर बनीं प्रीति जिंटा ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि मुझे स्व डायमंड्स के साथ जुडकर बेहद खुशी हो रही है। यह एक ऐसा ब्रांड है, जो वास्तविकता, शालीनता और सदाबहार खूबसूरती का पर्याय है। मेरे लिए ज्वेलरी हमेशा से ही जीवन के सच्चे पलों को जीने का जरिया रही है, और स्व का एज रियल एज यू कैंपेन यही बात दिल से महसूस कराता है। मैं मानती हूँ कि हर महिला उस ज्वेलरी की हकदार है, जो उसकी आत्मविश्वास से परिपूर्ण, सधी हुई और मजबूत व्यक्तिगत एवं वास्तविक पहचान दर्शाए। स्व डायमंड्स के मैनेजिंग डायरेक्टर, अब्दुल गफूर अनादियान ने कहा कि भारत में ज्वेलरी सिर्फ सजावट नहीं, बल्कि भावनाओं को व्यक्त करने और जीवन के खास लम्हों को जीने का तरीका भी है। इसी सोच के साथ, स्व डायमंड्स में हम सिर्फ आईजीआई, जीआईए सर्टिफाइड नेचुरल डायमंड्स की पेशकश करते हैं, जिनकी वीवीएस क्लैरिटी और ईएफ कलर हमारे ग्राहकों के भरोसे और सच्चे प्यार के प्रतीक हैं। हमारा नया कैंपेन एज रियल एज यू इसी वास्तविकता को दर्शाता है, क्योंकि हर भावना उतनी ही सच्ची होती है, जितनी कि आपकी मुस्कान।

ऐसे चमका सिम्मी ग्रेवाल का सितारा

मुंबई। बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री सिम्मी ग्रेवाल 78 वर्ष की हो गईं। पंजाब के लुधियाना में एक सिख परिवार में 17 अक्तूबर, 1947 को जन्मीं सिम्मी ग्रेवाल को बचपन से ही अभिनय का शौक था, लेकिन घर वाले चाहते थे कि वह अच्छी शिक्षा ग्रहण करें। घरवालों ने सिमी को पढ़ाई के लिए बहन के साथ इंग्लैंड भेज दिया। वहां जाकर सिम्मी ने अपनी शिक्षा पूरी की। लगभग 15 वर्ष की उम्र में सिम्मी बतौर अभिनेत्री बनने का सपना लेकर मुंबई आ गईं। सिम्मी ने अपने सिने करियर की शुरूआत वर्ष 1962 में प्रदर्शित अंग्रेजी फिल्म 'टारजन गोज टु इंडिया' से की। फिल्म में उनके नायक की भूमिका अभिनेता फिरोज खान ने निभाई। दुर्भाग्य से यह फिल्म टिकट खिडकी पर नकार दी गई। वर्ष 1962 में ही सिम्मी ग्रेवाल की राज की बात और सन ऑफ इंडिया जैसी फिल्में प्रदर्शित हुईं, लेकिन इन फिल्मों से उन्हें कोई खास फायदा नही पहुंचा। वर्ष 1965 सिम्मी के सिने करियर के लिए महत्वपूर्ण वर्ष साबित हुआ। इस वर्ष उनकी तीन देवियां और जौहर महमूद इन गोआ जैसी फिल्में प्रदर्शित हुई। फिल्म तीन देवियां में अभिनेता देवानंद के साथ काम करने का अवसर मिला। फिल्म की सफलता के बाद सिम्मी ग्रेवाल फिल्म इंडस्ट्री में कुछ हद तक अपनी पहचान बनाने में कामयाब हो गईं। वर्ष 1966 में प्रदर्शित फिल्म 'दो बदन' सिम्मी के करियर की महत्वपूर्ण फिल्म साबित हुई। राज खोसला के निर्देशन में प्रेम त्रिकोण पर बनी इस फिल्म में मनोज कुमार और आशा पारेख ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। फिल्म में सिम्मी ने एक डाक्टर की भूमिका निभाई थी। फिल्म में अपने दमदार अभिनय के लिए वह सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित की गईं। वर्ष 1968 में प्रदर्शित फिल्म 'साथी' सिम्मी के करियर की महत्वपूर्ण फिल्मों में शामिल है। राजेंद्र कुमार और वैजयंती माला की मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म में सिम्मी ने अपने दमदार अभिनय से दर्शको का दिल जीत लिया साथ ही करियर में दूसरी बार सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित की गईं।

वेवबैंड प्रोडक्शन ने किया 'मस्ती 4' का दूसरा पोस्टर रिलीज

उत्तराखण्ड सत्य,मुंबई

कल्ट कॉमेडी फ्रेंचाइज 'मस्ती' चार गुना अधिक मस्ती, पागलपन और हंसी के साथ एक बार फिर धमाकेदार वापसी के लिए तैयार है। इसी कड़ी में वेवबैंड प्रोडक्शन ने मिलाप मिलन जवेरी द्वारा लिखित और निर्देशित 'मस्ती 4' का दूसरा पोस्टर जारी कर दिया है, जिससे बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा कॉमेडी फ्रेंचाइज के लिए दर्शकों में उत्साह भी चार गुना बढ़ गया है। यह फिल्म 21 नवंबर 2025 को सिनेमा घरों में रिलीज होने जा रही है। इस पोस्टर ने आते ही ओरिजिनल मस्ती की यादें ताजा कर दी हैं, जो बेशुमार रंगों के साथ ढेर सारी अफरातफरी, मस्ती और शरारतों से भरपूर थी! सिर्फ यही नहीं ओजी तिकड़ी यानी रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी, एक बार फिर अमर, मीत और प्रेम के रूप में लौट रहे हैं, और 'मस्ती 4' के साथ दर्शकों को जोरदार हंसी और मनोरंजन से भरी एक रोलरकोस्टर राइड देने का वादा कर रहे हैं। भव्य पैमाने पर बनी इस फिल्म में बड़े-से-बड़े कॉमेडी एलिमेंट्स, विदेशी और आंखों को सुकून देने वाले लोकेशन हैं। चार गुना ज्यादा एंटरटेनमेंट के साथ कानों में बस जानेवाले धुन और हंसी-ठहाकों से भरपूर 'मस्ती 4' ऐसा हास्य पेश करेगी, जो दर्शकों के लिए बॉलीवुड कॉमेडी को नए सिरे से परिभाषित करेगी।

सीएम ने समीक्षा अधिकारियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

उत्तराखण्ड सत्य, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास स्थित कैंप कार्यालय में राजस्व परिषद में नव-चयनित सहायक समीक्षा अधिकारी एवं समीक्षा अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी नवनियुक्त कार्मिकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि दीपावली से पूर्व यह नियुक्ति पत्र प्राप्त होना नवनियुक्त कार्मिकों और उनके परिवारजनों के लिए विशेष प्रसन्नता का अवसर है। मुख्यमंत्री ने उनके परिवारजनों को भी इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दीं।मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते चार वर्ष में राज्य में 26,500 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि राज्य में पारदर्शिता और मेरिट के आधार पर भर्ती प्रक्रिया को अभियान के रूप में निरंतर आगे बढ़ाया जाए।उन्होंने कहा कि कुछ समय पूर्व हरिद्वार में हुई परीक्षा से संबंधित एक प्रकरण सामने आया था, जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया और एसआईटी जांच गठित की गई। इसके पश्चात छात्रों की भावनाओं को देखते हुए उनकी मांगों के अनुरूप परीक्षा को निरस्त करते हुए सीबीआई जांच की संस्तुति की।उन्होंने कहा कि राज्य में बीते वर्षों के दौरान सभी प्रतियोगी परीक्षाएं पूर्ण पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ आयोजित की गई हैं। भर्ती प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता या भ्रष्टाचार के लिए कोई स्थान नहीं है।मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार बनने के बाद से ही उन्होंने रिक्त पदों को पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से भरने का अभियान शुरू किया, जिसके फलस्वरूप आज हजारों युवाओं को सरकारी सेवा में अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार आगे भी पूर्ण पारदर्शिता के साथ भर्ती प्रक्रिया को अभियान के रूप में जारी रखेगी।इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री आनंद बर्द्धन, सचिव श्री एस.एन. पांडे, अपर सचिव श्रीमती रंजना राजगुरु, राजस्व परिषद के अधिकारीगण तथा नव-नियुक्त सहायक समीक्षा अधिकारी एवं समीक्षा अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव ने केदारनाथ में लिया विकास कार्यों का जायजा

उत्तराखण्ड सत्य,रूद्रप्रयाग

मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने श्री केदारनाथ धाम पहुंचकर बाबा केदारनाथ के दर्शन किए और धाम परिसर में चल रहे पुनर्निर्माण एवं विकास कार्यों का विस्तृत स्थलीय निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने धाम क्षेत्र में विभिन्न फेजों में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और कार्य निष्पादन की समीक्षा की।मुख्य सचिव ने जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग श्री प्रतीक जैन से धाम में चल रहे सभी कार्यों की विस्तृत जानकारी ली, उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, सौंदर्य और धार्मिक आस्था का विशेष ध्यान रखा जाए।सीएस ने कहा कि कल, 23 अक्टूबर को श्री केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद होने जा रहे हैं, उन्होंने निर्देश दिए कि कपाट बंद होने के बाद भी धाम क्षेत्र में सुरक्षा, सामग्री संरक्षण और बर्फबारी की स्थिति में कार्यों के रखरखाव को लेकर पूरी तैयारी रखी जाए। मुख्य सचिव ने यह भी कहा कि अभी से अगले यात्रा सत्र 2026 की तैयारी प्रारंभ कर देनी चाहिए।इस अवसर पर जिलाधिकारी श्री प्रतीक जैन ने मुख्य सचिव को अवगत कराया कि केदारनाथ यात्रा से जुड़े सभी विभाग आपसी समन्वय और सहयोग से कार्य कर रहे हैं। मुख्य सचिव ने धाम क्षेत्र में चल रहे पुनर्निर्माण कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि श्री केदारनाथ धाम आज पूरे देश में पुनर्निर्माण का प्रतीक बन चुका है। उन्होंने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य केवल भौतिक निर्माण नहीं, बल्कि आस्था और सुविधा का संतुलित संगम सुनिश्चित करना है, ताकि श्रद्धालुओं को एक पवित्र, सुरक्षित और दिव्य अनुभव प्राप्त हो।इस दौरान जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग श्री प्रतीक जैन, पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रह्लाद कोंडे, मुख्य कार्याधिकारी मंदिर समिति श्री विजय थपलियाल, उप जिलाधिकारी ऊखीमठ श्री अनिल शुक्ला, अधिशासी अभियंता डी.डी.एम. श्री विनय झिंकवाण, ए. आर.टी.ओ. रुद्रप्रयाग धर्मेंद्र सिंह बिष्ट एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

सीएम धामी ने फिर दिया.....

प्रदेश के सभी पूर्व मुख्यमंत्रियों से उनके आवास पर जाकर भेंट की और उन्हें दीपावली की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्रियों भुवन चंद्र खंडूड़ी, भगत सिंह कोश्यारी, डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, त्रिवेंद्र सिंह रावत, तीरथ सिंह रावत के अलावा वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत से भी आत्मीय भेंट की।अस्वस्थ चल रहे खंडूड़ी से मुलाकात के दौरान धामी ने उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। वहीं, हरीश रावत से मुलाकात के पीछे केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि सच्ची संवेदना थी। कुछ दिन पहले दिल्ली से लौटते समय मेरठ में हरीश रावत की कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। उस समय मुख्यमंत्री धामी ने फोन पर उनका हाल जाना था और दीपावली के अवसर पर स्वयं उनके आवास जाकर स्वास्थ्य की जानकारी ली।मुख्यमंत्री धामी दीपोत्सव के बीच भाजपा संगठन से संवाद करना भी नहीं भूले। उन्होंने प्रदेश के सभी जिलाध्यक्षों से वर्चुअल माध्यम से वार्ता की, उन्हें दीपावली की शुभकामनाएँ दीं और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने का आग्रह किया।नवरात्र से लेकर दीपावली तक मुख्यमंत्री धामी ने स्वदेशी अपनाओ अभियान को भी विशेष बल दिया। वे कई बार बाजारों में स्वयं जाकर स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी करते नजर आए। उनका यह व्यवहारिक संदेश आम लोगों को "देशी अपनाओ, आत्मनिर्भर बनो" का प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत करता है। उन्हें दीपावली की शुभकामनाएँ दीं और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने का आग्रह किया।नवरात्र से लेकर दीपावली तक मुख्यमंत्री धामी ने स्वदेशी अपनाओ अभियान को भी विशेष बल दिया। वे कई बार बाजारों में स्वयं जाकर स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी करते नजर आए।

बैंक और साईबर सेल के .....

साक्षरता की कमी को उजागर करती है। ऑनलाइन गेमिंग या इनाम वाले ऐप्स में पैसे लगाने से पहले स्रोत की प्रामाणिकता जांचना बेहद जरूरी है। एक छोटी सी असावधानी पूरे परिवार के लिए आर्थिक संकट बन सकती है। आज जहां एक तरफ डिजिटल इंडिया का सपना तेजी से साकार हो रहा है, वहीं इन फ्रीज खातों में फंसे लाखों रुपये इस हकीकत की भी याद दिलाते हैं कि तकनीक की सुरक्षा समझ के बिना डिजिटल सुविधा खतरनाक साबित हो सकती है।

ऑनलाईन गेमिंग का.....

को चाहिए कि वे अपने बच्चों के मोबाइल उपयोग पर निगरानी रखें और किसी भी संदिग्ध एप या लिंक को डाउनलोड न करने की सलाह दें। वहीं, यदि किसी खाते के फ्रीज होने की स्थिति उत्पन्न हो जाए, तो तुरंत बैंक और साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क किया जाना चाहिए। साइबर अपराधियों के इस नए तौर-तरीके ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब डिजिटल सुरक्षा केवल बड़ों की नहीं, बल्कि बच्चों की भी प्राथमिक चिंता बन चुकी है।

तुलसीधाम में जले 3100 दीप

रुद्रपुर। दीपावली के शुभ अवसर पर श्री तुलसीधाम में दीपोत्सव का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें 3100 दीयों की जगमगाहट ने सम्पूर्ण परिसर को दिव्यता से आलोकित कर दिया। यह आयोजन श्री गुरु महाराज जी के मार्गदर्शन में सेवकों और ग्रामवासियों की सहभागिता से संपन्न हुआ। दीपोत्सव की शुरुआत श्री गुरु महाराज जी द्वारा पहले दीप के प्रज्वलन से हुई। इसके पश्चात ग्राम के सभी बच्चों ने तुलसीधाम परिसर को रंग-बिरंगी रंगोलियों और दीपों की कतारों से सजाया, जिससे वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा और उल्लास भर गया। दीपों की लौ के साथ-साथ आतिशबाजी की रंगीन रोशनी ने समारोह में चार चाँद लगा दिए। इस पावन अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं में संजू बांगा, पुलकित चावला, पार्थ बांगा, नंदिनी बांगा, श्रेया बांगा, आयुषी छाबड़ा, अदिति चावला, स्नेहा चावला, गीतिका चावला, माधव गांधी, लक्ष्य खुराना, नोनी बांगा, कुंज बांगा, वृंदा बांगा, आस्तिक नरूला, चन्द्रमौली चावला, ऋषि शर्मा, उपाधि छाबड़ा, अन्नू शर्मा, अवि बत्रा और सजल अनेजा सहित कई अन्य भक्तगण रहे।

ट्रांजिट कैम्प में धूमधाम से मना काली पूजा महोत्सव

रूद्रपुर । सी ब्लाक ट्रांजिट कैम्प में मां काली बाड़ी पूजा कमेटी द्वारा आयोजित श्री श्री सार्वजनिक मां काली पूजा एवं दीपावली महोत्सव का भव्य समापन हुआ। इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने कलाकारों और आयोजकों को मंच पर सम्मानित कर इस महोत्सव की भूरी-भूरी प्रशंसा की। ठुकराल ने कहा कि ऐसे आयोजनों का समाज और संस्कृति में विशेष महत्व है। मां काली की पूजा और दीपावली का यह पर्व हमें आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ-साथ सामाजिक एकता का संदेश देता है। धार्मिक आयोजन जहां हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजते हैं, वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच भी प्रदान करते हैं। इससे नई पीढ़ी में आत्मविश्वास और सामाजिक चेतना का विकास होता है। कार्यक्रम का संचालन सुबीर दास और मानस बैरागी ने किया। कार्यक्रम में भाजपा जिला महामंत्री तरूण दत्ता, पूर्व सभासद परिमल राय, राजकुमार शाहा, पार्षद शुभम दस,कमेटी के अध्यक्ष अपूर्व विश्वास, उपाध्यक्ष शानू दास, रितिक मण्डल,सत्यम ढाली, सचिव अभिषेक गुप्ता समेत तमाम लोग मौजूद थे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, अजय चड्डा द्वारा प्रियंका प्रिन्टिंग प्रैस, होटल कृष बिल्डिंग, निकट बी.आर. अम्बेडकर द्वारा जनता इण्टर कॉलेज रोड, रूद्रपुर, उत्तराखण्ड से मुद्रित व शॉप नं.35, सिटी स्क्वायर मॉल काशीपुर बाईपास, रोड रूद्रपुर जिला ऊधम सिंह नगर उत्तराखण्ड से प्रकाशित।

सम्पादक—अजय चड्डा

मो.9837637707,Ph.05944-357586

E-mail:-uttrakhandsatyardr@gmail.com

RNI No.-UTTHIN/2017/73459

डाक पंजीयन संख्या यूए/नैनीताल—337/2023—2025

समस्त वादों का निस्तारण रूद्रपुर न्यायालय के आधीन होगा।

EESHA TRADERS

PVC Wall Panel

Louvers

Wall Paper
Contact Us :-
98971-57000, 82720-57000, 99971-57000
SRA - 3, Kashipur By-pass Road, Opp. Police Chowki, Rudrapur eeshatraders@gmail.com

3D PVC Panel

Artificial Grass

काशीपुर बाईपास के चौड़ीकरण की कवायद शुरू

उत्तराखण्ड सत्य,रुद्रपुर

शहर के सबसे व्यस्ततम मार्गों में से एक काशीपुर बाईपास रोड के चौड़ीकरण को लेकर लंबे समय से चल रही अटकलों के बीच अब प्रक्रिया तेज हो गई है। दीपावली से पहले नगर निगम द्वारा इस मार्ग पर निशान लगाने की कार्यवाही शुरू की गई थी, लेकिन त्योहार को देखते हुए किसी भी तरह की तोड़फोड़ या निर्माण गतिविधि को रोका गया ताकि व्यापारियों का व्यवसाय प्रभावित न हो। दिवाली के बाद काशीपुर बाईपास रोड स्थित व्यापारियों का प्रतिनिधि मंडल विधायक शिव अरोरा के आवास पहुंचा और उनसे मुलाकात की। व्यापारियों ने मांग रखी कि सड़क निर्माण का कार्य इस प्रकार किया जाए जिससे उनका न्यूनतम नुकसान हो। विधायक शिव अरोरा ने व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उन्हें आश्वस्त किया कि निर्माण

कार्य जनता और व्यापारियों दोनों के हित में किया जाएगा। अपने आवास पर मीडिया से बातचीत के दौरान विधायक अरोरा ने कहा कि काशीपुर बाईपास रुद्रपुर का सबसे व्यस्त मार्ग है, जहाँ लोगों को घंटों ट्रैफिक जाम से जूझना पड़ता है। उनका स्पष्ट मत है कि इस मार्ग का चौड़ीकरण आवश्यक है ताकि आम जनता को राहत मिल सके और व्यापारियों को भी न्यूनतम हानि पहुँचे। वर्तमान में सड़क की चौड़ाई लगभग 15 से 20 फीट है, जिसके कारण जाम की समस्या गंभीर बनी रहती है। इसके लिए प्रस्ताव रखा गया है कि काशीपुर बाईपास रोड को दोनों ओर से 60-60 फीट तक चौड़ा किया जाए, जिससे कुल 120 फीट चौड़ी सड़क का निर्माण संभव हो सके। यह योजना इस प्रकार तैयार की जा रही है कि व्यापारियों के नुकसान को यथासंभव कम किया जा सके। विधायक अरोरा ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की विकासोन्मुखी सोच के अनुरूप इस परियोजना के लिए धनराशि भी जारी कर दी गई है और कार्य अगले कुछ दिनों में प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगामी महीनों में रुद्रपुर की जनता को काशीपुर बाईपास रोड की बदली हुई तस्वीर देखने को मिलेगी। सड़क के चौड़ीकरण से जहाँ व्यापारियों के कारोबार में वृद्धि होगी, वहीं आम नागरिकों को लंबे समय से चली आ रही जाम की समस्या से भी राहत मिलेगी। विधायक अरोरा ने यह भी कहा कि उच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों का पूरा सम्मान किया जाएगा और निर्माण कार्य उन्हीं के अनुरूप किया जाएगा। वहीं, नगर पालिका द्वारा पूर्व में आवंटित दुकानों में अपनी आजीविका चला रहे व्यापारियों के पुनर्वास के विषय में मेयर विकास शर्मा, जिला प्रशासन और नगर आयुक्त के बीच सहमति बन चुकी है, ताकि कोई भी व्यापारी विस्थापन से प्रभावित न हो।

सीएम ने परिवार के साथ मनाया भैया दूज पर्व

खटीमा। भैया दूज पर्व मनाने के लिए बृहस्पतिवार सुबह मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी खटीमा पहुंचे। लोहियाहेड स्थित हेलीपेड पर जनप्रतिनिधियों और जनता ने उनका स्वागत किया। हेलीपैड पर मुख्यमंत्री धामी ने जनसमस्याओं को सुना। उन्होंने अधिकारियों को सभी की समस्याओं का प्राथमिकता के साथ निस्तारण करने के निर्देश दिए। वहां पर जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, वीसी पंतनगर विवि डॉ. मनमोहन चौहान,

रंदीप पोखरिया, डीएम नितिन भदौरिया, एसएसपी मणिकांत मिश्रा, एडीएम पंकज उपाध्याय, एसपी सिटी डॉ. उत्तम सिंह नेगी, एसडीएम तुषार सैनी आदि थे। इसके बाद मुख्यमंत्री धामी भैया दूज मनाने के लिए कार से कालापुल, नगला तराई स्थित अपने आवास पर पहुंचे जहां उन्होंने परिजनों के साथ धूमधाम से भैया दूज पर्व मनाया। मां बिशना देवी, बड़ी बहन नंदी और गांव की महिलाओं ने तिलक लगाकर व सिर पूजकर सीएम की लंबी उम्र और स्वस्थ रहने की कामना की। मुख्यमंत्री ने सभी को उपहार भेंट किए।

सांसद भट्ट ने करोड़ों के विकास कार्य जनता को किये समर्पित

उत्तराखण्ड सत्य,गूलरभोज

सांसद अजय भट्ट ने बुधवार को गूलरभोज नगर पंचायत की ओर से निर्मित अटल बिहारी वाजपेयी चौक, सुभाष चंद्र बोस चौक, और राजा सुहेलदेव स्मृति द्वार का लोकार्पण किया। इसके साथ ही उन्होंने राज्य वित्त एवं अवस्थापना निधि से निर्मित 26 टाइल्स रोडों का उद्घाटन भी किया। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों ने सांसद भट्ट का फूलमालाओं से जोरदार स्वागत किया। लोकार्पण के बाद रामलीला मैदान में आयोजित भव्य जनसभा को संबोधित करते हुए सांसद अजय भट्ट ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज विश्व के नंबर वन

नेता हैं, जिन्होंने देश के विकास में कोई कमी नहीं छोड़ी है। उन्होंने जनता से स्वदेशी अपनाने की अपील की ताकि भारत की अर्थव्यवस्था और मजबूत हो सके। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष सतीश चुघ ने सांसद से 685 एकड़ भूमि पर काबिज लोगों को मालिकाना हक दिलाने तथा क्षेत्रीय युवाओं के लिए एक स्टेडियम की मांग रखी। जिस पर सांसद ने तहसीलदार लीना चंद्रा को स्टेडियम के लिए उचित स्थान चिन्हित करने के निर्देश दिए। सभा के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने सांसद अजय भट्ट का गर्मजोशी से स्वागत किया कार्यक्रम का संचालन विजय शर्मा ने किया। सभा को भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा, भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश महामंत्री दीपेंद्र कोश्यारी, और पूर्वांचल समाज के प्रदेश अध्यक्ष लल्लन राजभर ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर सुखदेव सिंह नामधारी, ज्योति ग्रोवर, ब्लॉक प्रमुख गदरपुर दिलीप अधिकारी, प्रदेश अध्यक्ष बंगाली कल्याण समिति मनोज गुंबर (मिंटू भैया), अध्यक्ष नगर पालिका गदरपुर मनजीत कौर, अध्यक्ष नगर पंचायत दिनेशपुर तिलक राज गंभीर, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मोहन सिंह पानू, पूर्व जिला पंचायत सदस्य बाबू सिंह तोमर, उत्तराखंड अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य प्रीत ग्रोवर, और राजकुमार भारती उपस्थित रहे। वहीं विधायक अरविंद पांडे के आवास के समीप ही भारत रत्न पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेई चौक के अनावरण के लिए सांसद भट्ट सहित कई जन प्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम में विधायक अरविंद पांडे की गैरमौजूदगी चर्चा का विषय बनी रही।

गुरू मां
उत्तराखंड की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन
गर्मियों में ठंड जैसी राहत
गुरू मां
36 महीने तक की EMI उपलब्ध
Budget Ac
Premium Split Ac
Mid-Range Split Ac
Heavy-Duty Split Ac
SONY Whirlpool SAMSUNG IFB Haier BOSCH VOLTAS
DAIKIN HITACHI MITSUBISHI ELECTRIC GENERAL LLOYD BLUE STAR
Refrigerator की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
Deep Freezer की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
RO Purifier की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
Water Dispencer की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
Air Cooler की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
Easy EMI Options Available
RUDRAPUR- Civil Line +91-9927882338, Kashipur Bypass +91-9690282777 , Kashipur Bypass +91-9756233166 , Sony Center +91-9917170230 KASHIPUR- Ramnagar Road +91 8791989500, Cheema Chauraha +91 9927813555 HALDWANI- Tikonia +91-9997207007, Pilikothi +91-8923468434, Pilikothi +91-9690256666, HARIDWAR- Haridwar +91-9761699704 MORADABAD- Moradabad +91-7500839146, GADARPUR- Near Super Market +91-9927850999, KICHHA- Kichha +91-7017595920, LOHAGHAT- Daak Bangla Road +91-9568035735 DEHRADUN- Kaluagarh Road +91-8394949454 PANIPAT- West Market Opp. Central Bank +91-8607964000 KARNAL-Mangal Singh Market +91-8684077000 , 49 Ram Nagar +91-8908350000